भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 2896**

20 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

**विषय: बागवानी फसलों के उत्पादन में कमी**

2896 श्री येर्रम वेंकट सुब्बा रेड्डीः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2023-24 के दौरान बागवानी फसलों के उत्पादन का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या 2023-24 के दौरान बागवानी फसलों का उत्पादन फसल क्षेत्र में वृद्धि के बावजूद 2022-23 में दर्ज 355.50 मिलियन टन के उत्पादन से कम रहेगा;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) सब्जियों का उत्पादन 2022-23 में 213 मिलियन टन से घटकर 2023-24 में लगभग 209 मिलियन टन रह गया, इस उल्लेखनीय कमी के क्या कारण हैं;

(ङ) अग्रिम अनुमानों के अनुसार प्याज उत्पादन 2021-22 में 317 मिलियन टन और 2022-23 में 302 मिलियन टन से घटकर 2023-24 में 255 मिलियन टन रह जाने के क्या कारण हैं; और

(च) देश में बागवानी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)**

**(क):** तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2023-24 के लिए बागवानी फसलों का राज्यवार क्षेत्र और उत्पादन अनुबंध में दिया गया है।

**(ख) और (ग):** वर्ष 2023-24 के लिए तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, बागवानी फसलों के अंतर्गत कुल सकल फसल क्षेत्र 289.8 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2022-23 में कुल सकल फसल क्षेत्र 284.4 लाख हेक्टेयर है। तथापि, इस अवधि के दौरान देश में कुल बागवानी उत्पादन में मामूली गिरावट आई है, जो वर्ष 2022-23 में 3554.8 लाख टन से घटकर वर्ष 2023-24 में 3531.9 लाख टन (तीसरा अग्रिम अनुमान) हो गया है, जिसका मुख्य कारण प्याज और आलू जैसी प्रमुख सब्जी फसलों के अंतर्गत उत्पादन में गिरावट है।

**(घ):** वर्ष 2022-23 के दौरान देश में सब्जी उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर 2125.5 लाख टन पर पहुंच गया, जिसका मुख्य कारण आलू का बंपर उत्पादन (601.4 लाख टन) तथा प्याज का सामान्य स्तर से अधिक उत्पादन (302.1 लाख टन) रहा। वर्ष 2022-23 में अन्य प्रमुख सब्जियों का उत्पादन भी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा। हालाँकि, वर्ष 2023-24 के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, कुल सब्जी उत्पादन 2058.0 लाख टन होने का अनुमान लगाया गया था।

**(ङ.):** वर्ष 2023-24 के लिए तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, देश में प्याज का उत्पादन 242.4 लाख टन होने का अनुमान है। वर्ष 2023-24 में उत्पादन में गिरावट महाराष्ट्र और कर्नाटक के प्रमुख प्याज उत्पादक जिलों में सूखे की स्थिति और मध्य प्रदेश में कीटों और बीमारियों की घटनाओं के कारण हुई है।

वर्ष 2023-24 में प्याज उत्पादन में महत्वपूर्ण अंतर, सामान्य से अधिक मानसून और मौजूदा उच्च कीमतों को ध्यान में रखते हुए, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने वर्ष 2024-25 सीजन के दौरान क्षेत्र कवरेज बढ़ाने के लिए खरीफ प्याज उत्पादक राज्यों के साथ बातचीत की। राज्यों को वार्षिक कार्य योजना (एएपी) में संशोधन करके एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के तहत खरीफ प्याज के क्षेत्र का विस्तार करने की भी अनुमति दी गई। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा किए गए सक्रिय उपायों और नियमित निगरानी के परिणामस्वरूप वर्ष 2024-25 में कुल खरीफ प्याज क्षेत्र कवरेज 3.82 लाख हेक्टेयर रहा, जबकि पिछले वर्ष कुल खरीफ प्याज क्षेत्र 2.85 लाख हेक्टेयर था।

**(च):** वर्तमान में, भारत दुनिया में सब्जियों और फलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। केला, लाइम एंड लेमन, पपीता और भिंडी जैसी कई फसलों के उत्पादन में देश पहले स्थान पर है।

भारत सरकार और राज्य सरकारों की सक्रिय नीतियों और पहलों तथा बेहतर फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों और प्रबंधन पद्धतियों के कारण देश में बागवानी उत्पादन पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ रहा है। क्षेत्र में वृद्धि, उत्पादन और फसलोपरान्त इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए, सरकार वर्ष 2014-15 से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में केंद्र प्रायोजित योजना, समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) को कार्यान्वित कर रही है। एमआईडीएच के तहत, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन, फलों, सब्जियों, मसालों और रोपण फसलों के क्षेत्र विस्तार, संरक्षित खेती और फसलोपरान्त प्रबंधन इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, किसानों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आदि के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के अंतर्गत बागवानी विकास के लिए राज्य सरकारों के परियोजना प्रस्तावों को भी समर्थन दिया जाता है।

रा.स.अता.प्र.सं.289

**अनुबंध**

**वर्ष 2023-24 के दौरान देश में बागवानी फसलों का राज्य-वार क्षेत्र और उत्पादन (तीसरा अग्रिम अनुमान)**

| क्र.सं. | राज्य/संघ राज्य क्षेत्र | क्षेत्र ('000 हेक्टेयर) | उत्पादन ('000 मीट्रिक टन) |
|---|---|---|---|
| 1 | आंध्र प्रदेश | 1641 | 27210 |
| 2 | अरुणाचल प्रदेश | 43 | 156 |
| 3 | असम | 652 | 6837 |
| 4 | बिहार | 1307 | 21775 |
| 5 | छत्तीसगढ | 747 | 9024 |
| 6 | गुजरात | 2175 | 25375 |
| 7 | हरियाणा | 412 | 6610 |
| 8 | हिमाचल प्रदेश | 342 | 2588 |
| 9 | जम्मू एवं कश्मीर | 437 | 4644 |
| 10 | झारखंड | 448 | 5808 |
| 11 | कर्नाटक | 2877 | 20620 |
| 12 | केरल | 1590 | 10596 |
| 13 | मध्य प्रदेश | 2572 | 38158 |
| 14 | महाराष्ट्र | 2142 | 28803 |
| 15 | मणिपुर | 84 | 834 |
| 16 | मेघालय | 165 | 1096 |
| 17 | मिजोरम | 160 | 708 |
| 18 | नागालैंड | 93 | 902 |
| 19 | ओडिशा | 1602 | 14574 |
| 20 | पंजाब | 497 | 9562 |
| 21 | राजस्थान | 1770 | 4589 |
| 22 | सिक्किम | 87 | 307 |
| 23 | तमिलनाडु | 1593 | 21828 |
| 24 | तेलंगाना | 395 | 3949 |
| 25 | त्रिपुरा | 142 | 1842 |
| 26 | उत्तर प्रदेश | 2592 | 48016 |
| 27 | उत्तराखंड | 166 | 931 |
| 28 | पश्चिम बंगाल | 2074 | 34873 |
| 29 | अन्य | 180 | 975 |
| अखिल भारत | | 28984 | 353188 |

*****